मिशन शिक्षण संवाद

यातायात के साधन

शैक्षिक कविताओं का संकलन

मिशन
शिक्षण
संवाद

काव्य मंजरी

टीम

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

यातायात के साधन

01

रेलगाड़ी

पटरी पर दौड़ लगाती है,
छुक-छुक धुआँ उड़ाती है।
यहाँ से वहाँ पहुँचाती है,
रेलगाड़ी कहलाती है।।

रेलगाड़ी एक प्रमुख नाम है,
यातायात के संसाधन में।
भारत में पहली रेलगाड़ी,
चली अट्ठारह सौ छप्पन में।।

पहले लगता भाप का इंजन,
फिर आया डीजल का इंजन।
बुलेट ट्रेन का है यह जमाना,
अब लगता बिजली का ईंधन।।

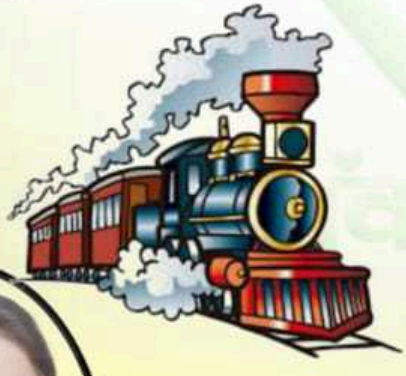

भाप के इंजन के जन्मदाता,
जेम्स वाट कहलाते हैं।
चितरंजन और वाराणसी में,
रेल के इंजन बनाते हैं।।

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता "कलिका"
(स०अ०) प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, जनपद अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

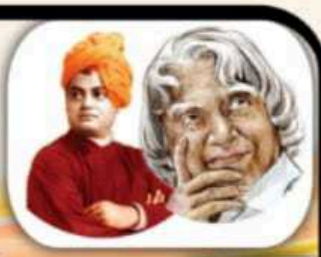

यातायात के साधन

02

हवाई जहाज

हवाई जहाज यातायात का साधन,
हवा में तेज जो उड़ता जाता है।
एक देश से दूसरे देशों तक,
झट से हम सबको पहुँचाता है।।

सेना और अनुसंधान कार्यों में,
प्रयोग हवाई जहाज का होता है।
चालक हो या कम्प्यूटर के द्वारा,
नियन्त्रित अपनी गति को करता है।।

राइट बन्धुओं ने वर्ष 1903 में,
हवाई जहाज का था अविष्कार किया।
विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में,
अद्भुद था एक चमत्कार किया।।

महानगरों में एयरपोर्ट बनाए जाते है,
सभी जरूरी सुविधाएँ यात्रीगण पाते हैं।
एयरलेंडर 10 विशाल हवाई जहाज कहलाता है,
तकनीकी रूप से सक्षम ऊँची उड़ान भर पाता है।।

रचना -
डॉ०नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण - उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

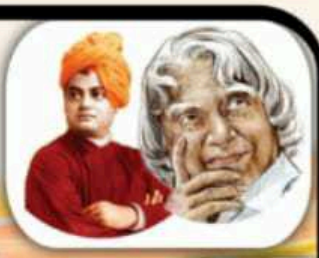

यातायात के साधन

03

साइकिल

साइकिल, बाइक, बाइसाइकिल,
कहलाती जो सस्ता साधन।
गाँव की पगडण्डी पर जो दौड़े,
शहर की सड़कों पर ये दना-दन।।

पहली साइकिल बनाने वाले,
1839 में स्काटलैण्ड के थे लुहार।
'किर्कपैट्रिक मैकमिलन' ने,
किया साइकिल का आविष्कार।।

बाद जर्मनी के 'ड्रेविस' ने,
की लकड़ी की रूपरेखा तैयार।
'वेलोसिपीड' नाम देकर तब,
'मैकमिलन' ने किया सुधार।।

सस्ता, सर्वसुलभ साधन है,
बच्चों का है प्रिय उपहार।
डाकिया, दूधिया, हाकर सबकी,
सेहत का करती उद्धार।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

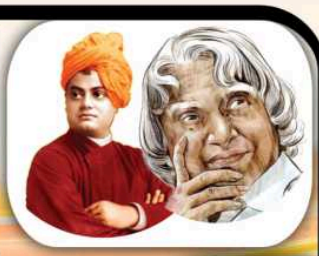

यातायात के साधन

04

कार

चार पहिया वाहन है,
यातायात का साधन है।
अनेक रूपों में तैयार है,
सड़क पर चलती कार है।।

सन 1886 में कार्ल बेंज ने,
कार का अविष्कार किया।
तीन पहियों का वाहन बनाकर,
सबको आश्चर्य में डाल दिया।।

डीजल, पेट्रोल व गैसोलीन,
ईंधन कार में प्रयोग होते हैं।
पहले पाँच लोग बैठ सकते थे,
अब नौ लोग तक बैठ सकते हैं।।

भारत में पेट्रोल, डीज़ल व,
सी एन जी इंजन वाली कारें हैं।
इलेक्ट्रिक इंजन बनाने पर भी,
अब काम कर रही सरकारें हैं।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

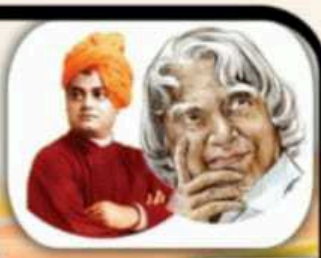

यातायात के साधन

05

लिफ्ट

बटन दबाओ नीचे आती,
बटन दबाओ ऊपर।
पल में जाती है जमीन पर,
पल में जाती छत पर।।

इसकी अपनी सत्ता है,
इसकी अपनी क्षमता है।
बिना रुके और बिना झुके,
इसका काम ना रुकता है।।

सीढ़ियों में मेहनत है,
इस में आराम है।
कितनी भी ऊँची मंजिल हो,
पहुँचाना इसका काम है।।

भारी भरकम सामानों को,
करती पल में शिफ्ट।
बहुत अनोखा रूप है इसका,
कहलाती है लिफ्ट।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

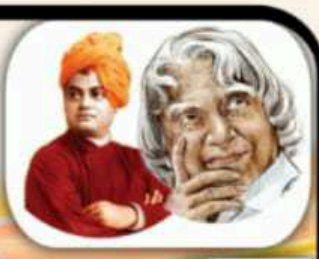

यातायात के साधन

06

शिकारा

'शिकारा' लकड़ी से बनी नाव,
बड़ी खूबसूरत होती हैं।
पर्यटकों को घुमाती श्रीनगर,
डल-झील में मिलती हैं।।

विभिन्न आकारों में निर्मित,
आराम से बैठने की सुविधा।
सुन्दर पर्दे, बिछे कालीन,
सोफा मनभावन बड़े उम्दा।।

नाविकों का बड़े रोजगार,
पर्यटकों को खूब लुभाती।
सैर कर खींचते फोटो,
कश्मीरी लिबास बहुत भाती।।

दृश्य अनुपम दिखें सुदूर,
वर्फ से ढ़के पर्वत हरियाली।
शिकारा में घूम आनन्दित मन,
प्रकृति की छटा लगे निराली।।

रचनाकार- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० विद्यालय (1-8)- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

यातायात के साधन

07

रिक्शा

1869 में जापान देश में देखो,
रिक्शा का अविष्कार हुआ।
जापानी शब्द जिनरिकिशा से,
रिक्शा शब्द का निर्माण हुआ।।

कोलकाता की शान है रिक्शा,
अंग्रेज़ों के जमाने से जाना गया।
भाग-भाग के चालक चलाता,
मुसाफ़िरों को मंजिल तक लाता।।

धीरे-धीरे जब युग बदला,
तब रिक्शों में बदलाव हुए।
हाथ से चलने वाला रिक्शा,
इंजन, बिजली से चलने लगे।।

तकनीकी भरी दुनिया में देखो,
हाथ रिक्शों का बहिष्कार हुआ।
ई-रिक्शा, आटो, टैम्पो ने देखो,
इन पर अपना अधिकार किया।।

रचना - शिप्रा सिंह (स०अ०)
उ० प्रा ० वि० रूसिया (1-8)
अमौली , फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

यातायात के साधन

08

नाव

प्रगति की सीढ़ी जब मानव सभ्यता चढ़ी,
जल क्षेत्र पार करने की समस्या हुई खड़ी।
लकड़ी को खोखला कर जल में बहाया,
नाव का पुरातन रूप सब के सामने आया।।

लकड़ी से बनी पानी पर तैरने वाली,
चप्पू या पतवार द्वारा चलायी जाने वाली।
बिना पुल वाली नदियाँ पार कराने वाली,
नाव जल परिवहन का साधन निराली।।

कम पानी से लेकर गहरे सागर में चलती,
सवारी, सामान इधर से उधर करती।
मछुआरे सागर में मछली पकड़ने जाते,
अपने परिवार की जीविका इससे चलाते।।

आधुनिक नावों का स्वरूप बदल गया,
पतवार की जगह अब इंजन लग गया।
स्टीमर नाव का ही रूप है विकसित,
पर्यटक जल क्रीड़ा करके होते हैआनन्दित।।

रचना

सीमा मिश्रा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

यातायात के साधन

09

पालकी

डोली में जाती वधुएँ थीं,
लेकर चलते चार जने थे।
चार जने थे, गाँव के भैय्या,
काँधे उनके भार तने थे।।

पलंग के जैसी एक पालकी,
ऊपर तानी चादर होती।
अन्दर जिसके एक सवारी,
यात्रा पूरी पहुँच के होती।

आगे-पीछे दो-दो वाहक,
संकेतों में वो थे कहते।
चारों जिसका अर्थ समझते,
पहुँच के द्वारे डोली रखते।।

एक पलंग था ऐसा समझो,
ऊपर से था तान बनाया।
द्वार पे आते दूल्हा-दुल्हन,
प्रचलन पहले का बतलाया।।

रचना
सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर
पहला, जनपद- सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

यातायात के साधन

10

श्री व्हीलर

काली, पीली, हरी व धानी,
सबको भाती ऑटो रानी।
अपने शहर की सारी गलियाँ,
हैं इसकी जानी पहचानी।।

सबसे अच्छी सर्व सुलभ ये,
पूरे शहर की सैर कराए।।
मिले सुगमता से ये हमको,
बालक, वृद्ध, युवा मन भाए।।

अपने शहर से बाहर जब हम,
कहीं घूमने-फिरने जाएँ।
बहुत काम आते ये ऑटो,
हमको पूरा शहर घुमाएँ।।

ई-रिक्शा, टेम्पो व ऑटो,
श्री व्हीलर ये सब कहलाएँ।
महँगाई के युग में भी ये,
सबसे सस्ता सफर कराएँ।।

रचना- रश्मि शुक्ला(स०अ०)
उ०प्रा०विद्यालय बेथर 1(1-8)
सिकंदरपुर कर्ण - उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

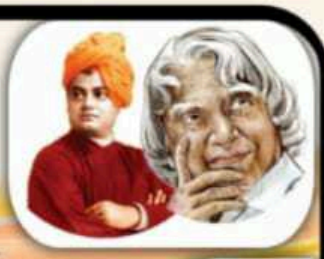

यातायात के साधन

11

ट्राम

अंग्रेजी में ट्राम, हिन्दी में ट्राली कार,
रेलवे वाहन, जो पटरी पर भरे रफ्तार।
सड़क पर बिछी पटरियों पे दौड़े,
पहले खींचते थे गधे और घोड़े।।

केवल कोलकाता में ही चलती है,
कैलकटा ट्रामवेज संचालन करती है।
बिजली इसका आज का साधन है,
सामान, व्यक्ति ढोने का एक वाहन है।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

जमीन की सतह के बराबर पटरी हैं,
ये चले वहाँ, जहाँ गलियाँ संकरी हैं।
शहर के बीचोंबीच चला सकते हैं,
कहीं भी आसानी से जा सकते हैं।।

1807 में पहली बार संचालित हुई,
हॉर्स कोर्स के नाम से विकसित हुई।
पहली लाइन जॉन स्टेफेंसो ने बनायी,
जो परिवहन के काम में आयी।।

रचना
भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पिपरी
मिश्रिख, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

यातायात के साधन

12

बस

परिवहन का सस्ता और सुलभ साधन है बस,
पर कभी-कभी जाम में जाती है फस।
कम पैसे में सवारी कराती,
दूर-दूर हमको ले जाती।।

सारी दुनिया जहान घुमाती,
सुरक्षित मंजिल तक हमको पहुँचाती।
दौड़ती सड़क पर भरती फर्राटा,
हौरन बजाती लेती खर्राटा।।

बड़े काम की होती है बस,
सवारी दिन भर ढ़ोती है बस।
बच्चों को स्कूल लाती ले जाती,
एम्बूलैंस के भी काम में आती।।

बारात भी कभी इनमें जाती,
सबको ये खूब सैर कराती।
जब कभी भी ये थक जाती,
वर्कशॉप में जाकर चुप सो जाती।।

रचना- बृजराज सारस्वत (स०अ०)
उच्च प्रा० विद्यालय (1-8)- गोपालगढ़
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

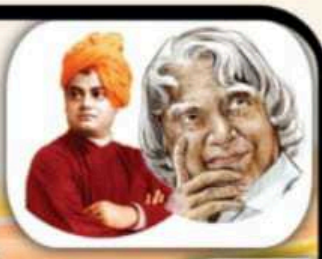

यातायात के साधन

13

मेट्रो ट्रेन

मेट्रो ट्रेन के चलने की शुरुआत,
इंग्लैंड के लन्दन शहर से हुई।
बढ़ती आबादी, ट्रैफिक व जगह की कमी,
इसके अविष्कार की मुख्य वजह रही।।

भूमि के अन्दर सुरंग में रेल की पटरी,
बिछाकर रेल चलायी जाती है।
यह भूमिगत रेल व त्वरित रेल,
आदि नामों से भी जानी जाती है।।

भारत में सबसे पहले 1984 ई० में,
कोलकाता में यह सबसे पहले चली।
अन्य महानगरों में भी नवयुग के,
वरदान के रूप में मेट्रो की सौगात मिली।।

मेट्रो अपनी तेज रफ्तार के लिए जानी जाती है,
इसकी बेमिसाल टेक्नोलॉजी सभी को भाती है।
घंटो के सफर को मिनटों में तय करके,
सफर को छोटा व आसान बना देती है।।

रचना
रीना कुमारी (शिक्षक संकुल)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

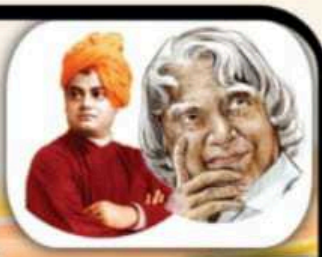

यातायात के साधन

14

जलयान

यातायात के मुख्य साधन में,
आते हैं पानी के वाहन।
कहलाते ये पानी के जहाज,
नौका, नाव या जलयान।।

जलयान पहले आवागमन के,
प्रमुख साधन हुआ करते थे।
लोग दूसरे देशों मे व्यापार हेतु,
इनसे ही जाया करते थे।।

जलयान बडी झीलों, समुद्रों
और नदियों मे चलते हैं।
पहले लकडी के होते थे,
अब मुख्यतः लोहे से बनते हैं।।

कई श्रेणियाँ होती हैं इनमें,
यात्री, व्यापार, या मालवाहक।
युद्ध में भी खूब काम आते,
प्रहरी बनकर कहलाते तटरक्षक।।

रचना
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

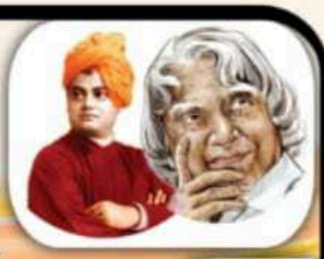

यातायात के साधन

15

हाउस बोट

जल परिवहन के समूह में,
हाउस बोट भी ख्यातिप्राप्त है।
सैकड़ों वर्षों से कश्मीर घाटी में,
ब्रिटिश रेजिडेंट के नाम से विख्यात है।।

80 फुट की लम्बाई से लैस
लकड़ी का बना घर होता है।
खत्मबन्ध नक्काशी है इसकी खूबसूरती,
जो हमेशा पानी पर तैरता है।।

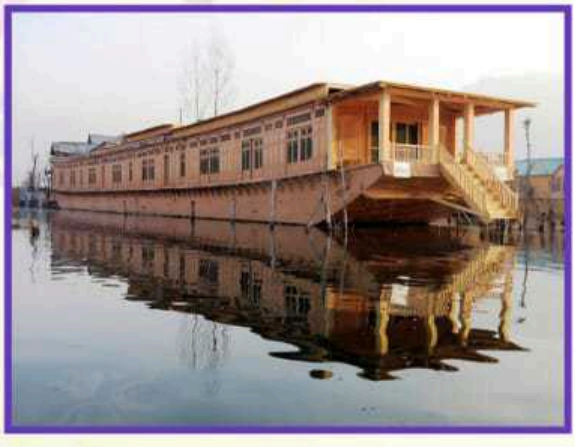

होता आलीशान होटल की तरह,
पर्यावरण को धुआँ रहित रखता है।
हमारे देश की संस्कृति का भान,
इसका अवलोकन करने से होता है।।

कश्मीर से लेकर केरल तक ,
झीलों तथा नदियों में देखा जाता है।
एक जगह से दूसरी जगह का सफर,
आनन्द पूर्वक इसके साथ किया जाता है।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

यातायात के साधन

16

रोपवे

रोपवे होता रज्जू मार्ग,
जल, थल ना हवाई मार्ग।
चलता अन्तहीन हवाई केबल पर,
माल, यात्री परिवहन है काम।।

1862 को फ्रांस में पहली बार,
रोपवे का हुआ आविष्कार।
आधुनिक रोपवे 19 वीं सदी में,
प्रसिद्धि पाया पहली बार।।

दुनिया का सबसे ऊँचा रोपवे,
वेनेजुएला का मेरिडा रोपवे।
सबसे लम्बा रोपवे है चीन का,
इलेक्ट्रिक मोटर से चलता रोपवे।।

रोपवे की सवारी है रोमांचक,
जिसके कारण है आनन्ददायक।
अत्याधुनिक रोपवे गुजरात का
2020 से गिरनार पर्वत का।।

रचना
सुमन पांडेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

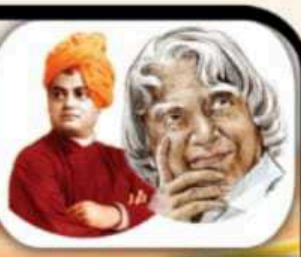

यातायात के साधन

17

मालगाड़ी

छुक-छुक करती आयी थी,
पिरन से रुड़की तक दौड़ायी थी।
पहली मालगाड़ी ही तो,
रेलगाड़ी भी कहलायी थी।।

1851 में पहली बार चली थी रेल,
22 दिसम्बर को हुआ, विस्मयकारी खेल।
छुक-छुक, छुक-छुक, धूम-धड़ाक,
देखो करती आयी मालगाड़ी रेल।।

गेहूँ, चावल, चाय, मसाले,
कोयले का इस पर राज है।
यातायात के साधन में,
मालगाड़ी सरताज है।।

मालगाड़ी में रखकर आती,
जीवन की सब वस्तुएँ खास।
कविताओं में गायी जाती,
इससे पूरी होती जीवन की आस।।

सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० विद्यालय,
रुद्रपुर, खजनी, गोरखपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

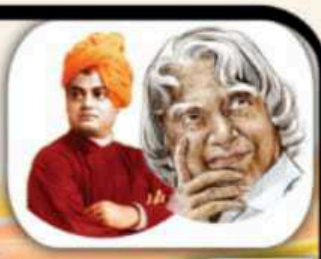

यातायात के साधन

18

स्कूटर

काम में आता स्कूटर रोज,
सन् 1919 में हुई थी खोज।
ब्रॉडशॉ ने किया यह चमत्कार,
ब्रेटेन में हुआ था अविष्कार।।

हल्का-फुल्का साधन सस्ता,
पार कराता जल्दी रस्ता।
घर में कम स्थान यह घेरे,
जगह-जगह के कर लो फेरे।।

वाहन तो यह है दो पहिया,
खर्च कराए कम रुपैय्या।
कार के जैसा नहीं है भारी,
दो लोगों की बने सवारी।।

वैस्पा, लम्ब्रेटा इटली के मॉडल,
गियर हैं इसमें, न कोई पैडल।
मोटर बाइक के जैसा काम,
समय बचाकर देता आराम।।

रचना
फ़राह हारून"वफ़ा" (प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़िया भांसी
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

यातायात के साधन

19

ताँगा

दो बड़े पहियों वाली काठ की खुली गाड़ी,
घोड़े की मदद से सरपट दौड़े ताँगा गाड़ी।
सवा सौ बरस पुराना है इसका इतिहास,
प्राचीन यातायात के साधनों में बेहद खास।।

नवाबों के समय से प्रचलन में आया,
राजशाही सवारी में खूब नाम कमाया।
सार्वजनिक यातायात के भी काम आया,
बोझा ढोने का भी इसने फ़र्ज निभाया।।

यूपी-बिहार ने ताँगे को टमटम नाम दिया,
जर्मनी ने फियाकर, इंग्लैंड ने विक्टोरिया।
आज़ादी में जिसने अहम भूमिका निभायी,
मोटरगाड़ी ने दे दी उस ताँगे को विदायी।।

फिल्मों में हुआ जिसका बहुत उपयोग,
पर्यटन तक ही रह गया आज प्रयोग।
जो कभी हर वर्ग के बहुत काम आया,
आधुनिक युग ने उसको ही भुलाया।।

रचना
डॉ० रैना पाल (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8) आमगांव,
जगत, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

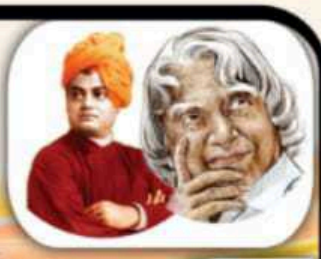

यातायात के साधन

20

हेलिकॉप्टर

एक विमान जो छूता अम्बर,
पंखा होता जिसके ऊपर।
आवाज़ करता घूम-घूम कर,
कहते उसको हेलिकॉप्टर।।

हेलिकॉप्टर में होते दो रोटर,
एक मुख्य तो एक टेल रोटर।
जमीन के उपर यह रुक सकता,
दाएँ, बाएँ और गोल भी उड़ता।।

बुझानी हो जंगल की आग,
करना हो कृषि फ़सल पर छिड़काव।
पुलिस कार्य हो या मच्छर नियन्त्रण,
हेलिकॉप्टर उपयोग में आता निरन्तर।।

एयर एम्बुलेंस काम आए आपातकाल में,
भार भी ढोया जाए एरियल क्रेन में।
घण्टों में तय होता मीलों का सफर,
फटाफट पहुँचा आए हेलिकॉप्टर।।

रचना
स्मृति परमार (स०अ०)
प्रा० वि० मामूरगंज
कादरचौक, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

यातायात के साधन

21

पनडुब्बी

पनडुब्बी एक विचित्र सवारी,
जो समुद्र की सैर कराती है।
मानवरहित आत्मनिर्भर यह डिब्बी,
समुद्र के अन्दर बाहर ले जाती है।।

नौसेना का हथियार अनोखा,
सन 1602 में यह जन्मी है।
मछली जैसा आकार है इसका,
परमाणु शक्ति से यह चलती है।।

कभी समुद्र के अन्दर जाकर,
गहरे अन्धकार में ले जाती है।
फिर आकर बाहर हमें यह,
नीलगगन दिखलाती है।।

समुद्र का है विचित्र संसार,
जिसका दर्शन ये करवाती है।
मछली सीप केकड़ा आदि,
सब समुद्री जीवों से यह मिलवाती है।।

रचना
स्वाति गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नाई
वि०क्षे० जगत, बदायूँ

मिशन शिक्षण संवाद

यातायात के साधन

22

ट्रक

भारी वाहन कहलाता है,
सबका बोझ उठाता है।
चार पहियों पर चलता है,
भार खींच ले जाता है।।

अद्भुत है ये रूप अनेक,
मिलते सबके रूप अनेक।
कोई है कहता लारी इसको,
कोई है कहता मालगाड़ी इसको।।

सन 1896 में ट्रक का अविष्कार,
जर्मनी देश में चला पहली बार।
नाम थे इसके अनेकों-अनेक,
फ़ोर्कलिफ़्ट, मैकट्रक और अर्धट्रक।।

ऑनबोर्ड ट्रक है कुछ ख़ास,
इसके अन्दर बड़ा सा केबिन।
पीछे उसके अलग कार है,
पहियों का भी अलग हिसाब है।।

रचना
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० ख़ंजनपुर
इस्लामनगर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

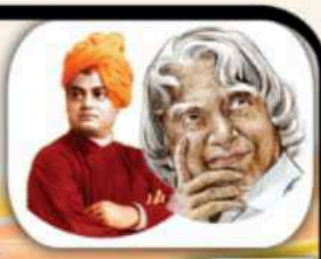

यातायात के साधन

23

बैलगाड़ी

बैलगाड़ी-बैलगाड़ी,
सबसे सस्ती ये सवारी।
दो पहियों से चलती है,
दो बैलो से खींची जाती।।

विश्व का सबसे पुराना यातायात,
सामान ढोने में देता साथ।
बनावट इसकी बहुत सरल,
भारी भरकम बहुत विकट।।

पर्यावरण से थी इसकी यारी,
कहलाती चैन की सवारी।
परम्परागत रूप से निर्मित गाड़ी,
स्थानीय रूप से बनायी जाती।।

विलुप्त होता आज ये वाहन,
था गरीबों की आमदनी का साधन।
मानव भूला प्राचीन संस्कृति,
आधुनिकता से आयी विकृति।।

रचना-
चंचल उपाध्याय (प्र०अ०)
प्रा० वि० कोट
बिसौली, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

यातायात के साधन

रचनाकारों की सूची

01- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
02- डॉ० नीतू शुक्ला, उन्नाव
03- शिखा वर्मा, सीतापुर
04- जितेन्द्र कुमार, बागपत
05- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
06- नैमिष शर्मा, मथुरा
07- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
08- सीमा मिश्रा, फतेहपुर
09- सतीश चन्द्र, सीतापुर
10- रश्मि शुक्ला, उन्नाव
11- भुवन प्रकाश, सीतापुर
12- बृजराज सारस्वत, मथुरा
13- रीना कुमारी, बागपत
14- ज्योति सागर, बागपत
15- नीलम भास्कर, बागपत
16- सुमन पांडेय, फतेहपुर
17- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
18- फ़राह हारून, बदायूँ
19- डॉ० रैना पाल, बदायूँ
20- स्मृति परमार, बदायूँ
21- स्वाति गुप्ता, बदायूँ
22- रजत कमल वार्ष्णेय, बदायूँ
23- चंचल उपाध्याय, बदायूँ

तकनीकी सहयोग
जितेन्द्र कुमार, बागपत
आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद
मार्गदर्शन:-राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन:- मिशन शिक्षण संवाद